किसान भाइयों को अल्पवर्षा की वर्तमान स्थिति में सम सामयिक सलाह

डा. ए. के. सिंह

वैज्ञानिक

कृषि विज्ञान केंद्र, जबलपुर

वर्तमान में अल्पवर्षा तथा सूखे की स्थिति निर्मित हो रही है ऐसी स्थिति में किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि -

- जिन किसान भाइयों की अभी तक बोनी नहीं हो पायी है वे कम पानी चाहने वाली फसलें यथा अरहर, उड़द, मूंग व् तिल की बोनी करें तथा देर से बोनी की दशा में बीजदर २५ प्रतिशत बढ़ा कर बोनी करें।
- बोनी हेतु उड़द की उन्नत किस्में यथा आई पी यू ९४-१, पंत उड़द ३०, पंत उड़द ३१, आई पी यू २-४३, प्रताप उड़द १; मूंग की उन्नत किस्में पूसा विशाल, पी डी एम् १३९, आई पी एम् २-३, एम् एच ४२१; अरहर की उन्नत मध्यम अवधि की किस्में टी जे टी ५०१, पी के वी तारा, पूसा ९९२; तिल की उन्नत प्रजातियां यथा जे टी एस ८, टी के जी २२, टी के जी ५५ आदि किस्मों का प्रयोग करें।
- बोनी से पूर्व बीज को मिश्रित फफूँदनाशी कार्बेन्डाजिम + मेंकोजेब की २ ग्राम प्रति किग्रा बीज व् जैव उर्वरकों (राइजोबियम व् पी एस बी) की ५ ग्राम मात्रा प्रति किग्रा बीज के हिसाब से उपचारित करें।
- किसान भाई उक्त फसलों की बोनी मेड नाली विधि से करें ताकि नमी अधिक समय तक संरक्षित रहे ।
- किसान भाई बोनी करते समय जैव उर्वरकों (पी एस बी, माइकोराइजा, सूडोमोनास, पोटाश विलयक जीवाणु, जैव अपशिष्ट अपघटक) का प्रयोग आधार रूप में करें।
- जिन किसान भाइयों की बोनी हो चुकी है वे नमी संरक्षण हेतु खेत में बखर चलाएं तथा आवश्यकतानुसार जीवन रक्षक सिंचाई करें।
- समय से नींदा नियंत्रण हेतु निदाई गुड़ाई करें तथा खरपतवारों को कतारों के मध्य रखें ताकि नमी संरक्षण हो।

*****